पत्रिका PLUS
रूप चतुर्दशी आज

ROOP **CHATURDASHI**

आपकी आंखें ऊंची हुई तो दुआ बन गई,
नीची हुई तो हया बन गई,
जो झुक कर उठी तो खता बन गई,
और उठ कर झुकी तो अदा बन गई।

जयपुर. शृंगार चाहे सूरत का हो या सीरत का, इसकी दमक तभी बढ़ती है जब इसमें हया शामिल हो। यूं तो लाज-शर्म को स्त्रियों का गहना कहा गया है, लेकिन जब इस हया को सोलह शृंगार का साथ मिलता है तो वह अदा बन जाती है। रूप चतुर्दशी मौका है महिलाओं के निखरने का, संवरने का और उनके सौन्दर्य के परवान चढ़ने का। *फोटो : दिनेश डाबी*

27 अक्टूबर से होने वाले जयपुर म्यूजिक समिट में बिखरेगा सच्चा सुर

जयपुर में सजेगा म्यूजिक का सबसे बड़ा मंच

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

जयपुर ● शहर में म्यूजिक का सबसे बड़ा मंच सजने वाला है, जहां देश के जाने-माने म्यूजिशियन परफॉर्म करेंगे, साथ ही अनुभव भी शेयर करेंगे। यह समारोह हर आयु वर्ग के लोगों के लिए खास होगा, क्योंकि इसमें जैज, क्लासिकल, गजल, बॉलीवुड, फ्यूजन म्यूजिक से जुड़े चर्चित कलाकार अपनी प्रस्तुतियों से जयपुराइट्स का मनोरंजन करेंगे। 27 अक्टूबर से दिल्ली रोड स्थित होटल फेयरमॉन्ट में तीन दिवसीय एमटीवी इंडिया म्यूजिक समिट की शुरुआत होगी। समिट का पैट्रन पत्रिका डॉटकॉम है। समिट में गजल, ठुमरी, भजन के स्वर भारतीय पारम्परिक म्यूजिक की खुशबू का अहसास करवाएंगे, वहीं जैज म्यूजिशियन, फ्यूजन आर्टिस्ट्स और इंस्ट्रूमेंटलिस्ट्स ऑडियंस के सामने एक्सपेरिमेंटल म्यूजिक का नायाब उदाहरण रखेंगे। कार्यक्रम में पं. जसराज और गिरिजा देवी मंच साझा करेंगे। यह पहला मौका होगा, जब 89 वर्षीय गिरिजा देवी और 87 वर्षीय पं. जसराज एक साथ किसी मंच पर होंगे। प्लेबैक सिंगर हरिहरन, शास्त्रीय गायिका कौशिकी चक्रवर्ती, सितारवादक शुजात खान, सेक्सोफोन प्लेयर जॉर्ज ब्रुक्स और अजय प्रसन्ना भी एक मंच पर परफॉर्म करते दिखेंगे। कीनोट सेशन में पांच बार ग्रैमी अवॉर्ड विनर जेफ भास्कर और क्लासिकल वोकलिस्ट टीएम कृष्णा हिस्सा लेंगे।

Music Concert

मेरे लिए फ्यूजन है कन्फ्यूजन

- किराना घराने और बनारसी गायकी में इनका अहम योगदान रहा है।
- इन्हें खयाल, ठुमरी, भजन, दादरा, कजरी और चैती के लिए खास तौर पर जाना जाता है।
- इन्हें पद्मविभूषण के साथ उत्तरप्रदेश सरकार की ओर से संगीत नाटक अकादमी, नौशाद अवॉर्ड, यश भारती अवॉर्ड भी मिल चुका है।
- 'आरक्षण' मूवी में 'कौन सी डोर', 'सांस अलबेली' सॉन्ग व 'मोहल्ला अस्सी' का टाइटल ट्रैक गाया है।

समिट में मॉर्निंग डिविनिटी में शिरकत करने आ रहे पं. छन्नूलाल मिश्र ने पत्रिका प्लस से बातचीत में कहा कि फ्यूजन का दौर हमारे समझ से बाहर है, इसे हम कन्फ्यूजन मानते हैं। हम तीन ताल में गाते हैं तो वो कहरवा सुनाते हैं और हम 15 तरह की गमक के साथ मंच पर होते हैं तो वे 5 गमक भी नहीं निकाल पाते, फिर सही फ्यूजन कैसे हो सकता है। हमारे जीवन में जन्म से मरण तक सिर्फ संगीत का ही साथ रहने वाला है। हम शुरुआत क्लासिकल म्यूजिक से करते हैं, लेकिन बाद में ऑडियंस को अपना मुरीद बनाने के लिए ठुमरी, दादरा, भजन को जोड़ते हैं। हम जिसे गाते हैं, उसे समझाते भी हैं, ताकि लोग मुझसे सीधा जुड़ाव महसूस कर सकें। क्लासिकल म्यूजिक के लिए तो हम यह कहते हैं कि चाहे 15 मिनट की प्रस्तुति हो, लेकिन कर्णप्रिय होनी चाहिए। हम आज भी जमीन पर सोते हैं और एक टाइम खिचड़ी खाते हैं और नियमित भगवान को याद करते हैं। यहीं से हमें ऊर्जा मिलती है।

23 कैटेगरी में मिलेंगे पुरस्कार

जयपुर ● सिटी पैलेस के प्रीतम निवास में रविवार को प्रतिष्ठित वार्षिक पुरस्कार समारोह का आयोजन किया जाएगा। प्रत्येक वर्ष महाराजा सवाई मानसिंह द्वितीय संग्रहालय ट्रस्ट द्वारा दिए जाने वाले ये पुरस्कार 23 श्रेणियों में होंगे। पुरस्कार मानवता की सेवा, हैरिटेज संरक्षण, चिकित्सा विज्ञान, परम्परागत शिल्प के क्षेत्र आदि विभिन्न श्रेणियों में दिए जाएंगे।

पटाखा मिठाई

जयपुर ● शहर में दिवाली को देखते हुए मिठाइयों में नए-नए प्रयोग हो रहे हैं। पटाखे की थीम पर मिठाइयां प्रजेंट की जा रही हैं, जिसमें फूलझड़ी, चकरी, सूतली बम और अनार की शेप में मिठाइयां बनाई गई हैं।

हिमाचल से आए कलाकारों ने किया शानदार अभिनय

'चिड़िया के बहाने' किया व्यवस्था पर प्रहार

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

जयपुर ● रवीन्द्र मंच मुख्य सभागार में राजरंगम के तहत मंगलवार को नाटक 'चिड़िया के बहाने' का मंचन किया। इसमें कलाकारों ने देश की वर्तमान व्यवस्था को बखूबी दिखाने का प्रयास किया। हिमाचल की प्रसिद्ध लोकनाट्य शैली 'भगत' में इसे तैयार किया गया था, वहीं कुल्लू से आए कलाकारों ने शानदार अभिनय कर नाटक में समां बांध दिया। नाटक में आज के संदर्भ में वह बात दिखाने की कोशिश की गई, जो हर आदमी की समस्या है। कलाकारों ने भ्रष्टाचार व स्वार्थी लोगों पर प्रहार किया और एक चिड़िया के माध्यम से व्यवस्था की परतों को खोलने का प्रयास किया।

बढ़ती जा रही खाई, सब हैं बेबस

नाटक के तीन प्रतीकात्मक चरित्र चिड़िया, चींटी और राजा का घोड़ा इसे रोचक बनाते हैं। केहर सिंह ठाकुर लिखित-निर्देशित यह नाटक अगड़ों और पिछड़ों के बीच की खाई को दिखाता है। नाटक में यह भी दिखाया कि इसे कोई भी पाटने का प्रयास नहीं कर रहा है।

जयपुर में मनेगी कुमार सानू की दिवाली

जयपुर ● रोमांटिक और मेलोडी गायकी में खास पहचान रखने वाले सिंगर कुमार सानू इस बार जयपुर में दिवाली सेलिब्रेट करेंगे। कुमार सानू अपनी फैमिली के साथ इस सेलिब्रेशन को खास बनाने के लिए शहर आ रहे हैं। सानू की बेटी शेनन भी इस मौके पर मौजूद रहेंगी। शेनन का हाल ही में हॉलीवुड सिंगल रिलीज हुआ है, जिसे काफी पसंद किया जा रहा है।

ANCHOR स्टूडेंट्स-टीचर्स ने मिट्टी के दीयों को प्रमोट करने के लिए बनाया कैम्पेन

छात्रों की अपील 'मिट्टी के दीये इस बार'

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

जयपुर ● यंगस्टर्स यदि सही दिशा में अपना माइंड और स्ट्रेंथ लगाएं, तो उस क्षेत्र, देश, इंस्टीट्यूट और शहर का फ्यूचर ब्राइट होता है। कुछ ऐसा ही काम कर राजस्थान यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स भी मिसाल बन रहे हैं।

दरअसल आरयू के टीचर्स और स्टूडेंट्स ने एक ग्रुप बनाया है। टीचर्स व स्टूडेंट्स के इस ग्रुप ने अपनी सोशल रेस्पॉन्सिबिलिटी के तहत पहला प्रयास फेस्टिव सीजन को ध्यान में रखकर शुरू कर दिया है। ग्रुप की मुख्य संरक्षक प्रो. डेजी शर्मा का कहना है कि सोसायटी फॉर एजुकेटिंग गवर्नेंस एंड एडमिनिस्ट्रेशन (सेगा) नामक यह ग्रुप मूल रूप से गवर्नमेंट पॉलिसीज को बेहतर बनाकर समाज को दिशा देने के लिए बनाया गया है, लेकिन हम इसके पहले कार्यक्रम की शुरुआत कैम्पेन 'मिट्टी के दीये इस बार' से कर रहे हैं।

सोशल मीडिया के जरिए प्रमोशन

स्टूडेंट्स ने ज्यादा से ज्यादा लोगों को इस कैम्पेन से जोड़ने के लिए सोशल मीडिया पर अपने ऑफिशियल पेज पर इवेंट बनाकर पेश किया है, जिसे बड़ी संख्या में लोग लाइक और शेयर कर रहे हैं। स्टूडेंट हितेश और राजेन्द्र का कहना है कि इससे मिट्टी के दीये बनाने वालों को अच्छी मदद हो सकती है। कैम्पेन में प्राइवेट कॉलेजों के स्टूडेंट्स भी शामिल हो गए हैं।

विभिन्न शहरों में भरवाए जाएंगे संकल्प पत्र

शर्मा ने बताया कि यूनिवर्सिटी में फेस्टिवल हॉलिडे हो चुका है। कैंपस 23 तारीख को खुलेगा। सभी स्टूडेंट्स अपने घर जा चुके हैं, वहीं से स्टूडेंट्स इस कैम्पेन को आगे बढ़ाएंगे। चूंकि विवि में विभिन्न शहरों के स्टूडेंट्स स्टडी करते हैं। ऐसे में ग्रुप से जुड़े आरयू स्टूडेंट्स अपने शहरों में आसपास के लोगों से चाइनीज लाइट्स की जगह मिट्टी के दीयों को जलाने की अपील करेंगे। साथ ही संकल्प पत्र भी भरवाएंगे।